# तताँरा-वामीरो कथा

**लेखक परिचय:- लीलाधर मंडलोई**

लीलाधर मंडलोई का जन्म 1954 में जन्माष्टमी के दिनछिंदवाड़ा जिले के एक छोटे से गांव गुढ़ीमें हुआ। आप की शिक्षा दीक्षा भोपाल और रायपुर में हुई। 1987 में लंदन की तरफ से आपको उच्च शिक्षा के लिए आमंत्रित किया गया। आप प्रसार भारती दूरदर्शन के महानिदेशक भी रहे। आप मूल रूप से कवि हैं। आपकी कविताओं में छत्तीसगढ़ के जनजीवन वबोली का प्रभाव स्पष्ट नजर आता है। इन्होंने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की जनजातियों पर गद्य रचना की है जो एक प्रकार की समाजशास्त्रीय रचनाएँ हैं। आपने लोककथा, लोकगीत, डायरी, यात्रा वृतांत, मीडिया, रिपोर्ताज़, आलोचना आदि का लेखन किया है।

**पाठ सार**

**लिटिल अंदमान** :- अंदमान द्वीप समूह का अंतिम दक्षिणी द्वीप है लिटिल अंदमान। ये पोर्ट ब्लेयर से सौ किलोमीटर दूर है। इसके बाद निकोबार द्वीप समूह शुरू हो जाता है। निकोबार द्वीप समूह का पहला द्वीप कार निकोबार है। निकोबारियों का विश्वास है कि किसी समय लिटिल अंदमान वकार निकोबार द्वीप एक ही थे। इन द्वीपों के विभक्त होने के पीछे एक लोककथा प्रचलित है।

**तताँरा- एक नेकदिल युवक**:- सदियों पूर्व जब लिटिल अंदमान औरकार निकोबार पास-पास थे, तब एक गाँव में सुंदर व शक्तिशाली युवक तताँरा रहता था। तताँरा एक नेकदिल व सब की मदद करने वाला युवक था। निकोबारी उसका बहुत सम्मान करते थे, क्योंकि तताँरा न केवल अपने गाँव वालों की ही सहायता करता था, बल्कि पूरे निकोबार द्वीप के लोगों की सहायता के लिए तैयार रहता था। पर्व त्योहारों के अवसर पर उसे गाँव वाले विशेष रूप से आमंत्रित करते

थे।ततााँरा अपनी कमर में एक लकड़ी की तलवार बााँधे रहता। लोगों का मानना था किउस लकड़ी की तलवार में दैवीय शक्ति है।ततााँरा के साहसिक कारनामों के पीछे इसी लकड़ी की तलवार को माना जाता था।

**वामीरो का गीत एवं ततााँरा का आग्रह**:- एक शाम ततााँरा समुद्र किनारे घूमने गया। ठंडी हवा चल रही थी। पक्षियों की चहचहाहट धीरे-धीरे कम हो रही थी। सूर्य दूर समुद्र के क्षितिज में डूब रहा था। उसी समय ततााँरानेएक गीत की आवाज सुनी। वह उसी तरफ चल दिया, जिधर से गीत की आवाज आ रही थी। ततााँरा ने देखा कि एक युवती एक चट्टान पर बैठकर एक श्रृंगार रस का गीत गा रही थी। उसी समय एक लहर आई और उस युवती को भिगो गई और वह चुप हो गई। उसे चुप देखकर ततााँरा उसे बार-बार गाना गाने को कहने लगा तथा युवती क्रोध से कह रही थी- तुम कौन हो? तुम्हें कभी लपाती गााँव में नहीं देखा। मैं तुम्हारी इच्छा को पूरा करने के लिए विवश नहीं।

**ततााँराववामीरो का परिचय तथा वामीरो पर प्रभाव**:-ततााँरा बार-बार लड़की से उसका नाम पूछ रहा था। अंत में लड़की ने अपना नाम वामीरो बताया। ततााँरा वामीरो से कहता है किकल भी यहााँ आना तथा अपना नाम भी बताता है। वामीरोघर जाकर भी ततााँरा को याद करती रहती है क्योंकि उसमें वे सब गुण थे जो गुण एक युवती अपने होने वाले पति में देखना चाहती है।

**ततााँराका इंतजार**:- किसी तरह रात बीत गई। सुबह से ही ततााँराशाम होने का इंतजार करता रहा। उसके जीवन में उथल-पुथल मच गई थी। धीरे-धीरे दिन ढल रहा था। सूर्य की किरणें समुद्र में डूबती जा रही थी और अंधेरा बढ़ रहा था। उसी समय नारियल के झुरमुटों से निकलकर वामीरो आई और ततााँरा के सामने आकर खड़ी हो गई। दोनों एक दूसरे को निहारते रहे। अचानक वामीरो सचेत हुई और अपने घर की तरफ दौड़ पड़ी। इसके बाद वे दोनों हर रोज उसी स्थान पर मिलते रहे।

**पशु उत्सववववामीरोकी माँ का क्रोध**:- तताँरा के पासा गाँव में पशु पर्व का आयोजन हुआ था। इस पर्व में हृष्ट-पुष्टपशुओं का प्रदर्शन तो होता ही था, पशुओं से युवकों का शक्ति परीक्षण भी होताथा। बाद मेंनृत्य संगीत व खाने का भी आयोजन होता था। आसपास के सभी गाँवों के लोग इकट्ठे होते थे तथा ततॉंरा की आँखें वामीरो को ढूँढ रही थी। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे कोई झाँकता दिखा। पास जाकर ततॉंरा ने देखा,वो वामीरो थी। ततॉंरा को देखते ही वामीरो फूट-फूट कर रोने लगी। उसी समय वहाँ वामीरो की माँ आ गई। ततॉंरा को देखकर वह आग बबूला हो गई तथा ततॉंरा को भला बुरा कहने लगी। गाँव वाले भी वामीरो की माँ का साथ देने लगे।

**ततॉंरा का क्रोध**:- वामीरो का रोना, विवाह निषेध परंपरा पर क्रोध व अपने अपमान के कारण ततॉंरा का क्रोध बढ़ता जा रहा था। इसी क्रोध में ततॉंरा का हाथ अपनी लकड़ी की तलवार पर चला गया। ततॉंरा ने अपनी लकड़ी की तलवार को पूरी शक्ति के साथ जमीन में घोप दिया और तलवार को खींचने लगा। तलवार को खींचते खींचते वोदूर तक चला गया।जहाँतक जमीन में लकीर खींची गई थी, वहाँ गड़गड़ाहट के साथ जमीन फटने लगी और जमीन दो हिस्सों में बँट गई।

**ततॉंरा-वामीरो का बलिदान व कुपरंपराका अंत**:- जमीन के फटने से ततॉंरा जमीन के उस हिस्से में गिरा, जहाँ गाँव का कोई व्यक्ति नहीं था। ततॉंरा ने इस ओर आने का यत्न किया, पर आ नहीं सका। ततॉंरा के वियोग में वामीरो पागल हो गई। उसने अपना घर छोड़ दिया तथा एकदिन कहीं चली गई। ततॉंरा की तलवार से कार निकोबार के दो टुकड़े हो गए। इस घटना के बाद दूसरे गाँवों से भी अब विवाह संबंध होने लगे। ततॉंरा-वामीरो की त्याग मयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए हुई थी।

**प्रश्नोत्तर**

**प्रश्न** 1) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

**उत्तर**: तताँरा वामीरो कथा कार निकोबार व लिटिल अंडमान की कथा है।

**प्रश्न** 2) वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

**उत्तर**: समुद्र की एक लहर ने वामीरो को भिगो दिया इसीलिए वह हड़बड़ा कर अपना गाना भूल गई।

**प्रश्न**3) तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

**उत्तर**: तताँरा ने वामीरो से गाना गाने की याचना की तथा अगले दिन उसी स्थान पर फिर आने की याचना की।

**प्रश्न** 4) तताँरा वामीरो के गाँव की क्या रीत थी?

**उत्तर**ः तताँरा वामीरो के गाँव की रीत थी कि एकगाँव के युवक और युवती का विवाह उनके ही गाँव में हो सकता था, किसी अन्य गाँव में नहीं।

**प्रश्न** 5) क्रोध में तताँराने क्या किया?

**उत्तर**: क्रोध में तताँराने अपनी कमर में लटक रही लकड़ी की तलवार जमीन में गाड़ दी और उसे खींचने लगा।जहाँ-जहाँ जमीन पर तलवार से लकीर पड़रही थी,वहाँ-वहाँ जमीन दो टुकड़ों में बँटती चली गई।

**प्रश्न** 6) तताँरा की तलवार के बारे मेंलोगों का क्या मत था?

**उत्तर**ः तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का मत था कि यह तलवार चाहे लकड़ी की है पर इसमें दैवीय शक्तियाँ हैं। तताँरा के साहसिक कारनामों का कारण लोग-बाग तलवार की अद्भुत शक्ति को मानते हैं। तताँरा उस तलवार को कभी अपने से अलग नहीं करता था तथा उसका उपयोग किसी के सामने नहीं करता था।

**प्रश्न 7)** वामीरो ने ततााँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया?

**उत्तरः** जब ततााँरा वामीरो को बार-बार गाना गाने के लिए कहने लगा, तब वामीरो ने बेरुखी से कहा- पहले बताओ कि तुम कौन हो? इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गााँव के अलावा किसी अन्य गााँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए मैं बाध्य नहीं। इस बात को तुम अच्छे से जानते हो।

**प्रश्न 8)** ततााँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

**उत्तरः** ततााँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में प्रचलित एक कुप्रथा समाप्त हो गई। अब किसी भी गााँव के युवक-युवतियों का विवाह किसी अन्य गााँव के युवक-युवती से हो सकेगा, जबकि पहले ऐसा नहीं था।

**प्रश्न 9)** निकोबार के लोग ततााँराको क्यों पसंद करते थे?

**उत्तर:** निकोबार के लोग ततााँरा को इसलिए पसंद करते थे क्योंकि वह एक सुंदर, शक्तिशाली, साहसी, परोपकारी, नेकदिल युवक था। वह सदैव दूसरों की सहायता के लिए तैयार रहता था तथा केवल अपने गााँव के लोगों की ही नहीं, सारे द्वीप के लोगों की सहायता के लिए सदा तैयार रहताथा।

**प्रश्न 10)** निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

**उत्तरः** निकोबारी मानते हैंकि किसी समय लिटिल अंदमान और निकोबार द्वीप समूहपास-पास थे। उस समय एक गााँव के युवक का विवाह दूसरे गााँव की युवती से नहीं हो सकता था, परंतु ततााँरा-वामीरो अलग-अलग गााँव के होने के बाद भी आपस में बहुत प्रेम करते थे। इस कारण ततााँरा को बहुत अपमानित होना पड़ा। इससे ततााँरा क्रोधित हो गया और उसने अपनी लकड़ी की दिव्य

तलवार जमीन में घोपदी और उसे खींचने लगा। परिणाम स्वरूप वहीं से द्वीप दो हिस्सों में विभक्त हो गया।

**प्रश्न 11)** तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

**उत्तर**: एक दिन खूब परिश्रम करने के बाद तताँरा समुद्र किनारे टहलने चला गया। सूरज दूर क्षितिज में समुद्र में डूब रहा था। सूरज की रंग बिरंगी किरणेंसमुद्र पर पड़ रही थी। पक्षियों की चहचहाहट धीरे-धीरे कम हो रही थी तथा ठंडी-ठंडी हवा समुद्र की तरफ से आ रही थी। बीच-बीच में लहरों का संगीत भी सुनाई दे रहा था।

**प्रश्न 12)** वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

**उत्तर**: वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के शांत जीवन में उथल-पुथल मच गई। प्रतिदिन शाम को वह समुद्र तट पर वामीरो की प्रतीक्षा करता तथा उसके आने के बाद केवल उसे निहारता रहता। उसके लिए दिन का एक-एक पल काटना मुश्किल था। वह अचंभित तथा रोमांचित था।

**प्रश्न 13)** प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

**उत्तर**: प्राचीन काल में मनोरंजन व शक्ति प्रदर्शन के लिए पशु पर्व का आयोजन किया जाता था। इस पर्व में हृष्ट-पुष्टपशुओं का प्रदर्शन तो होता ही था, युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती थी। बाद में नृत्य-संगीत एवं भोजन का भी आयोजन होता था।

**प्रश्न 14)**“रूढ़ियाँ जब बंधन बनबोझबनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है।” क्यों? स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर**: रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना अच्छा है, क्योंकि रूढ़ियाँ विकास के मार्ग को अवरुद्ध करती हैं। कई बार इन रूढ़ियों के कारण हमें योग्य लोगों से भी विमुख होना पड़ता है, जैसे निकोबार में रूढ़ी प्रचलित थी कि एक गाँव का युवक दूसरे गाँव की युवती से विवाह नहीं कर सकता। तताँरा व वामीरो अलग-अलग गाँव के थे। दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे, परंतु उनका विवाह न हो सका। उन्हें अपना बलिदान देना पड़ा। निकोबार के लोगों ने तताँरा जैसे नेकदिल लड़के को खो दिया। इसके बाद लोगों को अपनी गलती का एहसास हुआ और यह प्रथा टूट गई।

**प्रश्न 15)**“जब कोई राह नसूझी, तो क्रोध का शमन करने के लिए उसने शक्ति भर उसे धरती में घोप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा।“ आशय स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर**: पशु पर्व के समय वामीरो तताँरा को देख कर रोने लगी तथा वामीरो की माँ तथा गाँव वाले तताँरा को भला बुरा कहने लगे। तताँरा गुस्से से भर गया। उसे एक ओर विवाह निषेध परंपरा पर आक्रोश था, दूसरी ओर अपनी असहायता पर खीझ थी। ऐसे में अपने क्रोध का शमन करने के लिए उसने पूरी ताकत से अपनी लकड़ी की तलवार को जमीन में घोप दिया तथा उसे खींचने लगा। जैसे-जैसे वह तलवार खींच रहा था, पृथ्वी दो टुकड़ों में बँटने लगी।

**प्रश्न 16)** 'बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकतीथी। "आशय स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर**: तताँरा ने पहले दिन वामीरोको देखा तो वह वामीरो पर मुग्ध हो गया तथा उसने वामीरो से अगले दिन आने का आग्रह किया। बहुत मुश्किल से दिन बीता। शाम होते ही वह समुद्र किनारे पहुँच गया। जैसे-जैसे सूर्य की किरणें समुद्र में डूब रही थी, उसे लग रहा था कि आशा किरण डूब न जाए। परंतु ऐसा नहीं हुआ। वामीरो आई तथा उनके प्रेम की कहानी आगे बढ़ी।

**प्रश्न 17)** तताँरा क्यों प्रसिद्ध था?

**उत्तरः** तताँरा एक नेक दिल और मददगार व्यक्ति था। वह दूसरों की सहायता के लिए सदा तैयार रहता था। केवल अपने गाँव के लोगों की ही नहीं, द्वीप के सभी लोगों की सहायता के लिए तैयार रहता था। उसके पास एक लकड़ी की तलवार थी, जिसमें अद्भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपने साहसिक कारनामों के कारण बहुत प्रसिद्ध था।

**प्रश्न 18)** वामीरो तताँरा से मिलने क्यों गई?

**उत्तरः** वामीरोने देखा कि तताँरा सुंदरव बलिष्ठ था, परंतु वह बेहद शांत, सभ्य और भोला था। तताँरा के व्यक्तित्व में वो सब गुण थे जो वह अपने जीवन साथी में देखती थी। वामीरो ने उसे भूलने का बहुत यत्न किया, पर भूल नहीं पा रही थी। इसीलिए दिल से विवश होकर वामीरो तताँरा से मिलने पहुँच गई।

**प्रश्न 19)** "तताँरा-वामीरोकथा" के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है?

**उत्तर**: सच्चे प्रेम में कुछ पाने की भावना नहीं होती बल्कि त्याग की भावना होती है।ततॉंराऔर वामीरो अलग-अलग गाँव के थे।वे जानते थे कि उनका विवाह नहीं हो सकता, परंतुदोनों एक दूसरेसे सच्चा प्रेम करते थे।वे प्रेम में अपना बलिदान दे देते हैं। उनके बलिदान के परिणाम स्वरूप कुप्रथा समाप्त हो जाती है। अर्थात् सच्चा प्रेम जाति, धर्म, संप्रदाय को नहीं देखता। सच्चे प्रेम में त्याग की भावना होती है, परिवर्तन की भावना होती है।

**प्रश्न 20)** गाँव तथा परिवार वाले ततॉंराववामीरो के रिश्ते के विरुद्ध क्यों थे?

**उत्तर**ः ततॉंरा व वामीरो एक दूसरे से प्रेम करते थे, परंतु अलग-अलग गाँव के थे। निकोबार के नियम के अनुसार उनका रिश्ता नहीं हो सकताथा। इसीलिए गाँव तथा परिवार वाले उनके रिश्ते के विरुद्ध थे।

**प्रश्न 21)** ततॉंरा और वामीरोकी मृत्यु कैसे हुई? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

**उत्तर**ः अलग-अलग गाँव का होने के कारण ततॉंरा-वामीरो का विवाह नहीं हो सकता था। विवाह निषेध परंपरा के कारण ततॉंराको क्रोध तो था ही, उस पर वामीरो की माँ और गाँव वालों का ततॉंरा के प्रति क्रोध, ततॉंरा के आक्रोश को बढ़ाने लगा और अपने आक्रोश का शमन करने के लिए उसने अपनी लकड़ी की तलवार पूरे क्रोध के साथ जमीन में घोपदी और उसे जोर से खींचने लगा। जैसे-जैसे वह तलवार को खींच रहा था, पृथ्वी दो टुकड़ों में विभक्त होती जा रही थी। पृथ्वी के विभक्त टुकड़े के एक तरफ ततॉंरा था, तो दूसरी तरफ वामीरो। धीरे-धीरे ततॉंरा की तरफ से पृथ्वी समुद्र में समा गई और ततॉंरा भी विलुप्त हो गया। इससे वामीरो पागल हो गई। उसने पहले घर छोड़ दिया और फिर कहाँ गई, पता ही नहीं चला। इस प्रकार दोनों की मृत्यु हुई।

**प्रश्न 22)** "ततँारा-वामीरो कथा" के आधार पर वामीरो का चरित्र चित्रण कीजिए।

**उत्तर**: ततँारा-वामीरो कथा की नायिका वामीरो के चरित्र के कहानी के आधार पर निम्नलिखित बिंदु सामने आते हैं:-

1. <u>खूबसूरत व अच्छी गायिका</u>- वामीरो बहुत खूबसूरत तो थी ही, साथ ही बहुत अधिक अच्छी गायिका भी थी, जिस पर ततँारा मुग्ध हो गया।
2. <u>गाँव की परंपरा का सम्मान</u>–वामीरो गाँव की परंपरा का सम्मान करती थी, इसीलिए जब ततँारा वामीरो से प्रश्न करता है, तो वामीरो कहती है - तुम मुझे अपने प्रश्नों का उत्तर देने के लिए विवश नहीं कर सकते। क्या तुम गाँव की परंपरा नहीं जानते।
3. <u>सच्ची प्रेमिका</u>-वामीरो सच्ची प्रेमिका थी। इसीलिए यह जानते हुए कि उसका विवाह ततँारा से नहीं हो सकता, वह ततँारा से प्रेम करती है और उसी के लिए अपना बलिदान दे देती है।

**प्रश्न 23)** वामीरो की प्रतीक्षा में बैठे ततँाराके प्रेम की व्याकुलता को स्पष्ट करें।

**उत्तर**: ततँारा शाम की प्रतीक्षा कर रहा था। ततँारा के लिए यह प्रतीक्षा पूरे जीवन की अकेली प्रतीक्षा थी। धीरे-धीरे शाम ढलती जा रही थी। ततँारा के मन में आशंका थी कि अगर वामीरो न आई तो? पर वह कुछ नहीं कर सकता था केवल प्रतीक्षारत था।बस आस की किरण थी, जो सूरज की डूबती किरणों के साथ डूब रही थी। तभी नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति दिखी। वह वामीरो थी। वह चलती हुई ततँारा के पास आई। दोनों एकटक एक-दूसरे को देखते रहे। अचानक वामीरो सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ पड़ी। परंतु ततँारा वहीं खड़ा था... निश्चल.. शब्द हीन...।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM